ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-02-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-08	2025-02-09	2025-02-10	2025-02-11	2025-02-12
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	24.0	25.0	26.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	6.0	6.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	82	84	85	85	82
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	55	55	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	4	5	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	320	340	300
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (1 से 6 फरवरी) में बारिश नहीं हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 23.0-26.0 और 4.2-9.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिनों में मौसम साफ देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 86-97% और 36-55% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.3-8.3 किमी प्रति घंटे के बीच थी, जो मुख्य रूप से पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, और दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान 23.0-26.0oC और 5-7oC के बीच रहने की सम्भावना है और वर्षा ना होने का अनुमान है । पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से हवा की गति 4-6 किमी प्रति घंटा रहने की सम्भावना है और आगे इस क्षेत्र में शुष्क मौसम बना रहेगा।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में नियमित अपडेट "मेघदूत ऐप" पर उपलब्ध है, जबकि बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 7 से 13 फरवरी के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य से कम अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम की उम्मीद है, इसलिए सिंचाई लागू की जानी चाहिए और रोग-कीट के खिलाफ स्प्रे को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट दिखाई देने पर उचित जैविक और रासायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण 5% नीम बीज गिरी अर्क या बीटी @1 किग्रा/हेक्टेयर से संभव है। कोलरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एसएल @125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @220 ग्राम को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रासायनिक छिड़काव करें। पहला रासायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट दिखाई देने पर उचित जैविक और रासायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। जैविक नियंत्रण 5% नीम बीज गिरी अर्क या बीटी @1 किग्रा/हेक्टेयर से संभव है। कोलरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एसएल @125 मिली या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी @220 ग्राम को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से रासायनिक छिड़काव करें। पहला रासायनिक छिड़काव 50% फूल आने पर और दूसरा और तीसरा छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए।
रेपसीड	सरसों की फसल को पकने पर काटा जाना चाहिए और कतरने से पहले उसे अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए। सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करना उपज हानि से बचने के लिए आवश्यक है। कीटों और बीमारियों के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित तरीकों का पालन किया जाना चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट के मामले में, 800-1000 लीटर पानी में 2 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से मैन्कोजेब 75% का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि सफेद रतुआ के मामले में, 800-1000 लीटर पानी में 2.5 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से मेटालैक्सिल 35 WS या रिडोमिल MZ 72 का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए। डाउनी फफूंद का हल्का हमला हो सकता है, जिसका उपचार 500 लीटर पानी में 2 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से मेटालैक्सिल 35 WS या रिडोमिल MZ 72 का नियमित छिड़काव किया जा सकता है।
गेहूँ	फसल को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा खरपतवारों के उगने पर नियंत्रण रखना चाहिए। चूर्णी फफूंद तथा झुलसा जैसी बीमारियों के होने पर नियंत्रण रखना चाहिए। फसल पर बीमारियों तथा कीटों के होने की नियमित निगरानी करनी चाहिए।
जौ	खरपतवार प्रबंधन के लिए उपाय किए जाने चाहिए। फसल को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा खरपतवार नियंत्रण का अभ्यास करना चाहिए। फसलों पर पाउडरी फफूंद तथा ब्लाइट जैसी बीमारियों के लिए निगरानी रखनी चाहिए, जिन्हें तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।
गन्ना	फसल की कटाई 16-18% ब्रिक्स मूल्य पर की जानी चाहिए तथा शरदकालीन गन्ने में उचित कृषि कार्यकलाप अपनाए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज के पौधों को आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
सब्जी पीईए	मटर की फसल शुष्क और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए और कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। पाउडरी फफूंद/ एफिड के हमले की स्थिति में उचित रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए।
टमाटर	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में लेट ब्लाइट रोग को 2.5 ग्राम / लीटर पानी में मैन्कोज़ेब स्प्रे से रोका जा सकता है।
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए मैन्कोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएं। पशुओं की अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	उनके भोजन में फफूंद वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सिओसिस के लिए पशु चिकित्सक के अनुसार दवा दी जानी चाहिए।